हरिभूमि

शौर्य भूमि

मंडला| अंजिनया | भुआबिछिया | बम्हनीबंजर | नैनपुर | निवास | बीजाडांडी

जबलपुर, मंगलवार 16 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

एक ही मंच से विभिन्न योजनाओं का लाभ एवं जन समस्याओं के समाधान हेतु जन कल्याण शिविर आयोजित

भुआबिछिया। नगर परिषद के प्रागंण में विनोद रंगमच में आज जनकल्याण शिविर का आयोजन 15 जून से 17 जून तक संचालित किया जा रहा हैं शासन की मंशा के अनुरूप पात्र हितग्राहियों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने तथा आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिले में लगातार जनकल्याण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शासन एवं जिला कलेक्टर के निर्देशानुसार शिविरों में उपस्थित विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा आवेदनों का गंभीरतापूर्वक परीक्षण कर अधिकांश मामलों का मौके पर ही निराकरण किया गया। साथ ही पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के अंतर्गत लाभ भी वितरित किए गए। इस दौरान पेंशन स्वीकृति पत्रों सहित अन्य योजनाओं के हितलाभ प्रदान कर पात्र नागरिकों को लाभान्वित किया गया। उक्त शिविर में मंडला सासंद फग्गन सिंह कुलस्ते, जिला पंचायत मंडला अध्यक्ष संजय कुशराम, परिषद अध्यक्ष रजनी मरावी, नीरत भट्ट, अशोक नानकानी, शशिकांत श्रीवास्तव, विजय आनंद मरावी, प्यारे लाल कोराम, चन्द्र कुमार झारिया, जमुना यादव, योगेश यादव, सोभित रावत, नरेश राजपूत, ओमप्रकाश यादव, राकेश यादव , देवी यादव, अतुल कटोरे, सुनीता ताम्रकार, उपयंत्री एचआर कुरैशी, नारायणपरते अशोक यादव, संदीप राजपूत, मनोज निगम अनिता रजक, कौशल्या तेकाम एवं नगर के वरिष्ठ नागरिक गण की गरिमामय उपस्थिती में शिविर संचालित हुआ हैं।

शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली पर उठ रहे सवाल

एक अधिकारी के पास तीन-तीन प्रभार

*** कौन सी खूबी देखकर मिलते प्रभार।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

जिले के शिक्षा विभाग में कुछ ऐसी विभूतियाँ हैं जिन्हें शासन, प्रशासन, नेता, अधिकारियों के बीच सामजंस्य बैठाने की अनोखी कला आती है अपनी इसी क्षमता का उपयोग करते हुये ये दो से ज्यादा मलाईदार पदों पर पदस्थ हैं भले ही सरकारी कामकाज प्रभावित होता रहे लेकिन सबको संतुष्ट करने का काम कभी भी इनके माध्यम से प्रभावित नहीं होता भले ही शासकीय नियमों की अनदेखी होती रहे लेकिन राजनैतिक हस्तियों एवं बड़े अधिकारियों की अनदेखी नहीं होने पाती। अब इस व्यवस्था से उन क्षमतावान शिक्षकों का न केवल सम्मान प्रभावित हो रहा है बल्कि जिन्हें चाटुकारिता पसंद नहीं उन्हें न तो महत्वपूर्ण पदो पर बैठाया जा रहा है और न ही उनकी प्रतिभा का उपयोग हो रहा है भले ही वे इसके लिये कितने ही उपयुक्त क्यों न हो?

जिले में शिक्षा विभाग (जनजाति कार्य विभाग) एक बार फिर चर्चा का विषय बना हुआ है। विभाग के कुछ अधिकारियों को एक साथ कई महत्वपूर्ण पदों का अतिरिक्त प्रभार सौंपे जाने के बाद शिक्षा जगत और स्थानीय नागरिकों के बीच प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि यदि विभाग में योग्य अधिकारियों की उपलब्धता है, तो फिर कुछ चुनिंदा अधिकारियों को ही तीन-तीन जिम्मेदारियां क्यों सौंपी जा रही हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बिनैका के प्राचार्य ए.के. जैन को पीएमश्री शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सिंगारपुर तथा विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) मोहगांव का अतिरिक्त प्रभार, प्राचार्य नार्मल स्कूल सिझौरा आतममजीत सिंह को कन्या शिक्षा परिसर बिछिया और बीईओ बिछिया का अतरिक्त प्रभार सौंपा गया है वैसे तो कन्या परिसर बिछिया में अन्य प्राचार्य की पदस्थापना के आदेश तो हो गये हैं किन्तु उनकी अभी तक ज्वाइनिंग न ही होने से प्राभार अभी इन्हीं के पास है। इन व्यवस्थाओं को लेकर यह सवाल उठ रहा है कि अलग-अलग स्थानों पर स्थित कार्यालयों और संस्थानों की जिम्मेदारियों का प्रभावी निर्वहन एक अधिकारी द्वारा किस प्रकार किया जा सकेगा, जबकि बिनैका हाईस्कूल से मोहगांव की दूरी लगभग बीच 40 किलोमीटर की है। वहीं बिछिया से सिझौरा की दूरी लगभग 12-15 किलोमीटर की है। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों का कहना है कि संबंधित विकासखंडों में उपलब्ध अधिकारियों को भी यह दायित्व सौंपा जा सकता था।

सूत्रों के अनुसार कई अधिकारी अतिरिक्त प्रभार लेने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं। ऐसे में यह चर्चा भी सामने आ रही है कि क्या कुछ अधिकारी केवल अपनी सुविधा के अनुसार कार्य करना चाहते हैं और यदि ऐसा है तो विभाग ऐसे मामलों में सख्त प्रशासनिक निर्णय लेने से क्यों बच रहा है।

शिक्षा क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि एक ही अधिकारी के पास अनेक महत्वपूर्ण पदों का दायित्व होने से प्रशासनिक कार्यों की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। प्रत्येक पद की अपनी अलग जिम्मेदारियां और चुनौतियां होती हैं, जिनके निर्वहन के लिए पर्याप्त समय, निगरानी और समन्वय की आवश्यकता होती है। लंबे समय तक अतिरिक्त प्रभार की व्यवस्था बने रहने से शिक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता पर असर पड़ने की आशंका जताई जा रही है।

विभागीय सूत्रों के अनुसार जिले में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार, छात्रवृत्ति योजनाओं का संचालन, पाठ्यपुस्तकों का वितरण, अधोसंरचना विकास तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे महत्वपूर्ण कार्य संचालित हैं। इन योजनाओं की नियमित निगरानी और प्रभावी क्रियान्वयन के लिए अधिकारियों की सक्रिय उपस्थिति आवश्यक मानी जाती है। ऐसे में बढ़ता कार्यभार विभाग के लिए चुनौती बन सकता है।

स्थानीय स्तर पर पहले भी विभागीय कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था को लेकर चर्चाएं होती रही हैं। अतिरिक्त प्रभार की मौजूदा व्यवस्थाओं के बाद प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर बहस एक बार फिर तेज हो गई है। शिक्षा जगत से जुड़े लोगों और नागरिकों का कहना है कि प्रमुख पदों पर नियमित एवं पूर्णकालिक अधिकारियों की नियुक्ति सुनिश्चित की जानी चाहिए, ताकि कार्यों का बेहतर विभाजन हो सके और शिक्षा संबंधी योजनाओं का संचालन अधिक सुचारु रूप से किया जा सके।

हालांकि विभाग के जानकारों का कहना है कि कई बार प्रशासनिक आवश्यकता और अधिकारियों की उपलब्धता को देखते हुए अतिरिक्त प्रभार की व्यवस्था करनी पड़ती है। यह एक अस्थायी प्रशासनिक उपाय होता है, जिसका उद्देश्य विभागीय कार्यों को बाधित होने से बचाना होता है।

फिलहाल शिक्षा विभाग में अधिकारियों की उपलब्धता, कार्यों के वितरण और प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर नए सवाल खड़े हो गए हैं। अब शिक्षा जगत और स्थानीय नागरिक जिला प्रशासन से अपेक्षा कर रहे हैं कि महत्वपूर्ण पदों पर नियमित नियुक्तियां सुनिश्चित की जाएं, ताकि शिक्षा व्यवस्था और अधिक सुदृढ़, प्रभावी और जवाबदेह बन सके।

नर्मदा में डूबने से युवक की मौत

*** सोमवती अमावस्या पर स्नान करने आया था, दो दोस्त बचाए गए।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला के रपटा घाट एनीकट पर सोमवार को सोमवती अमावस्या के अवसर पर नर्मदा स्नान के दौरान एक हादसा हो गया। गहरे पानी में डूबने से 18 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसके दो साथियों को स्थानीय लोगों और मछुआरों ने सुरक्षित बचा लिया। इस घटना ने प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

मृतक की पहचान बिंझिया निवासी भरत पटेल (18 वर्ष) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, सोमवती अमावस्या के कारण रपटा घाट पर सुबह से ही हजारों श्रद्धालु नर्मदा स्नान के लिए एकत्रित हुए थे। इसी दौरान 4-5 युवकों का एक समूह भी स्नान करने पहुंचा। नहाते समय भरत पटेल और उसके दो साथी एनीकट के गहरे हिस्से की ओर चले गए और फिसलकर डूबने लगे।

गहरे पानी में जाने से हुआ हादसा

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, तीनों युवक ढलान वाले हिस्से में फिसलकर गहरे पानी में चले गए। उन्हें डूबता देख आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए दो युवकों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि, भरत पटेल पानी में लापता हो गया था।

भरत के साथियों ने पहले उसे स्वयं खोजने और बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता न मिलने पर पुलिस को सूचित किया गया। इसके बाद स्थानीय मछुआरों को बुलाया गया, जिन्होंने खोजबीन कर भरत को पानी से बाहर निकाला। साथियों के अनुसार, बाहर निकालने के समय उसकी सांसें चल रही थीं। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद लोगों में गुस्सा

इस घटना के बाद घाट पर मौजूद लोगों में आक्रोश देखा गया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि सोमवती अमावस्या जैसे बड़े धार्मिक आयोजन के दौरान प्रशासन को भारी भीड़ की जानकारी थी, इसके बावजूद पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं किए गए। उन्होंने बताया कि संवेदनशील और गहरे क्षेत्रों में न तो प्रभावी बैरिकेडिंग थी, न चेतावनी बोर्ड और न ही मौके पर त्वरित बचाव दल की व्यवस्था थी।

पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

दीवाल तोड़कर जेवरात की चोरी

नारायणगंज। जनपद पंचायत नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पंचायत मजगांव पोतला में करीब रात्रि 11:00 बजे एवं 4:00 बजे के बीच में हरे सिंह पिता हीरा सिंह पंद्रे पोतला में खिड़की की दीवाल तोड़कर सोना चांदी की जेवर की चोरी करके कर अलमारी तोड़कर ले गए बताया जाता है कि हरेसिंह के परिवार आंगन में सो रहे थे खाली कमरे में खिड़की की दीवाल तोड़कर सोना और चांदी के जेवर चुरा कर ले गए सुबह उठकर जब परिवार के लोग ने देखा तो अलमारी दोनों अलमारी के ब्लॉक टूटे हुए थे एवं पुरानी पेटी पर रखे सामान चोरी हो गए जिसकी सूचना एवं रिपोर्ट थाना टिकरिया में लिख दी गई है चोरी में जेवरात में सोने की झुमकी एक जोड़ी झाले एक छोटा मंगलसूत्र एक बड़ा मंगलसूत्र चार अंगूठी चांदी के जेवर में दो छोटी पायल दो बड़ी पायल बाजे चार अंगूठी दो जोड़ी कंगन सोने के चांदी की एक हाफ करधन एक बड़ा करधन 30 जोड़ी दो अंगूठी बिछिया एवं दूसरी अलमारी में दो सोने की लौग दो जोड़ी पायल दो अंगूठी एवं एक बड़ी पायजेब चोरी होने की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है सूचना मिलते ही टिकरिया थाने टी आई प्रदीप पांडे एस आई ताराम एवं पुलिस बल लोग जाकर मौके में जांच शुरू कर दी गई है मौके में गांव के लोग एवं सरपंच गुंजन भारतीया मौजूद रहे।

मानसून की दस्तक के साथ बढ़ी सर्पों की गतिविधि

*** घर में घुसा अजगर सुरक्षित रेस्क्यू।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/बम्हनीबंजर

गर्मी का मौसम समाप्ति की ओर है और मानसून की आहट के साथ ही भूमि में नमी बढ़ने लगी है। हल्की बारिश के बाद जमीन के भीतर रहने वाले अनेक जीव-जंतु, विशेषकर सांप, अपने बिलों से बाहर निकलने लगे हैं। ऐसे में लोगों में भय का माहौल भी देखने को मिल रहा है।

ग्राम सिलगी में एक घर के सामने बाँस के सूखे पत्तो में छुपा एक अजगर प्रजाति का सांप घुस जाने से हड़कंप मच गया। घर वालों ने तत्काल बम्हनी बंजर के सर्प मित्र अर्पित हरदहा, सौरभ हरदहा , रेस्क्यु टीम को सूचना दी। सूचना मिलते ही सर्प मित्र अपनी रेस्क्यु टीम के साथ मौके पर पहुंचे और सावधानीपूर्वक रेस्क्यू अभियान चलाकर अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया।

रेस्क्यू के बाद अजगर को उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया गया। सर्प मित्र ने लोगों से अपील की है कि बरसात के मौसम में सांपों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं, इसलिए सतर्क रहें। यदि कहीं सांप दिखाई दे तो उसे मारने का प्रयास न करें, बल्कि प्रशिक्षित सर्प मित्र या वन विभाग को सूचना दें।

मानसून के दौरान जहरीले एवं अन्य सर्पों के निकलने की घटनाएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में घरों के आसपास साफ-सफाई बनाए रखें, झाड़ियों को हटाएं और बच्चों को सावधानी बरतने की सलाह दें।

सर्वर की समस्या से खाद वितरण प्रभावित

*** आक्रोशित किसानों ने एनएच-30 पर लगाया जाम।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला/भुआबिछिया

क्षेत्र में खाद वितरण के दौरान लगातार आ रही सर्वर संबंधी समस्याओं से परेशान किसानों का आक्रोश सोमवार को उस समय फूट पड़ा, जब बड़ी संख्या में किसानों ने भड़ंगा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-NH30 पर चक्काजाम कर दिया। किसानों का कहना था कि खाद वितरण केंद्रों पर सर्वर बार-बार बंद होने के कारण उन्हें घंटों इंतजार करना पड़ रहा है, जिससे समय पर खाद नहीं मिल पा रही है और खरीफ फसल की तैयारी प्रभावित हो रही है।

प्रदर्शन के दौरान किसानों ने सड़क पर बैठकर नारेबाजी की और प्रशासन से तत्काल व्यवस्था सुधारने की मांग की। चक्काजाम के चलते कुछ समय के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात प्रभावित रहा तथा वाहनों की लंबी कतारें लग गईं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन एवं राजस्व विभाग का अमला मौके पर पहुंचा। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बिछिया सहित अन्य अधिकारियों ने किसानों से चर्चा कर उनकी समस्याएं सुनीं और संबंधित विभाग से समन्वय कर शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया।

अधिकारियों की समझाइश और उचित कार्रवाई के भरोसे के बाद किसानों ने आंदोलन समाप्त कर जाम हटा लिया। इसके बाद राष्ट्रीय राजमार्ग-30 पर यातायात पुनः सामान्य हो गया।

आयोजन | **मोदी जी के 12 साल बेमिसाल पर पोस्टर कलर प्रतियोगिता का आयोजन।**

नन्हे कलाकारों ने उकेरी सरकार की उपलब्धियां

*** राष्ट्र भक्ति और अनोखी प्रतिभा को सराहा।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

उन्नत भारत के उत्कृष्ट 12 वर्ष विषय पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में नगर के नन्हे कलाकारों ने अपनी कल्पनाशीलता और रचनात्मकता का अद्भुत प्रदर्शन करते हुए देश के विकास और प्रधानमंत्री के नेतृत्व में संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं को रंगों के माध्यम से जीवंत कर दिया। बच्चों ने अपने नन्हे हाथों से बनाए पोस्टरों में स्वच्छ भारत अभियान किसान सम्मान निधि ऑपरेशन सिंदूर चंद्रयान मिशन मेट्रो ट्रेन यूपीआई डिजिटल भुगतान प्रणाली, अयोध्या राम मंदिर सहित अनेक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय उपलब्धियों और योजनाओं को आकर्षक रूप में प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में शामिल बच्चों ने केवल चित्र ही नहीं बनाए बल्कि रंगों के माध्यम से देश के विकास आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक गौरव के प्रति अपनी भावनाओं को भी अभिव्यक्त किया। विभिन्न आयु वर्ग के बच्चों द्वारा तैयार किए गए पोस्टरों में भारत की वैज्ञानिक प्रगति, डिजिटल क्रांति, किसानों के सशक्तिकरण और स्वच्छता के प्रति जन जागरूकता को प्रमुखता से दर्शाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत एक विशाल बैनर भी तैयार किया गया जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं उपलब्धियों का समग्र चित्रण किया गया था। इस विशेष बैनर को सोमवार को महिष्मति घाट मंडला में भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा को सौंपा गया। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने बच्चों की प्रतिभा और देशभक्ति की भावना की सराहना की। कार्यक्रम में प्रकृति प्रेमी राजेश क्षत्री एवं मंडला के प्रसिद्ध चित्रकार अशोक सोनवानी द्वारा पोस्टरों का अवलोकन एवं मूल्यांकन किया गया। उनके निरीक्षण के पश्चात प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करने के लिए पुरस्कारों की घोषणा की गई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी को 1001 रुपये, द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 501 रुपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 251 रुपये का पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी कलाकार बच्चों को सांत्वना पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

खड़े ट्रक से टकराई टियागो कार, दो युवकों की मौत

*** फंसे दो लोग घायल, स्थानीय लोगों ने बाहर निकाला।**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मण्डला

मंडला जिले के बिछिया थाना क्षेत्र में रविवार देर रात नेशनल हाईवे पर सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। हादसे में दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए हैं। हादसा बिछिया के पास पड़रिया गांव के पास गणेश पेट्रोल पंप के नजदीक हुआ।

पुलिस के अनुसार, एक ट्रक खराब होने के कारण सड़क किनारे खड़ा था। इसी दौरान तेज रफ्तार टियागो कार पीछे से ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार अनियंत्रित होकर कई बार पलटी खाते हुए सड़क किनारे खेत में जा गिरी। हादसे के बाद कार में सवार सभी लोग वाहन के अंदर फंस गए थे।

सूचना मिलने पर बिछिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे लोगों को बाहर निकाला गया। सभी घायलों को तत्काल बिछिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने दो युवकों को मृत घोषित कर दिया।

मृतकों की पहचान बिछिया निवासी चंद्रप्रकाश मरावी (30) और निखिल (24) पिता द्वारका के रूप में हुई है। इस हादसे में बालकिशन मरावी और भानू प्रताप घायल हुए हैं, जिनका इलाज जारी है।

बिछिया थाना प्रभारी रंजीत सैयाम ने बताया कि ट्रक खराब होने के कारण सड़क पर खड़ा था। इसी दौरान तेज रफ्तार कार पीछे से ट्रक में टकरा गई। सोमवार को दोनों मृतकों का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिए गए हैं। पुलिस दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही है।

खबर संक्षेप

तेज तपन के बीच अन्नदाता अपनी खून पसीने की कमाई को संभालने में जुटा हुआ

हरिभूमि न्यूज/ कल्याणपुर। अक्सर देखा जात है कि जब गांव को किसान किसी बडे नेता के चैम्बर या फिर बड़े शोरूमों पर पहुंचता है तो उसकी मेषबूषा को देखते हुये बाहर खड़े रहने वाले बंदूक धारी इन किसानों को बाहर रोकने से नही चूकते है। मगर इस सच्चाई को लोगों द्वारा भुला दिया जाता है कि आखिरकार वह लोग सुबह शाम आराम के साथ अपना व अपने बच्चों को पेट जिस अन्न के माध्यम से भर रहे है उसको तैयार इसी माटी पुत्र द्वारा किया गया है। यदि अन्नदाता किसान एक साल अपने खेतों में अनाज तैयार करना रोक देवे तो देश में भुखमरी फैलने से नही चूकती है। क्योंकि जहां देश की रक्षा के लिये देश का पहरेदार जवान तेज धूप हो या फिर बारिश सहित ठंड का दौर कभी वह अपने दायित्वों से पीछे नही हटता है। इसी प्रकार से द्वेशवासियों का पेट भरने वाले किसान की सच्चाई भी इसी प्रकार से देखने मिल रही है। इस समय लगातार बढ़ रहे तापमान के बीच जहां धनवान लोगों से लेकर नेता दोपहर 12 बजते हुये अपने बंगलों में लगे हुये एयर कण्डीशन की हवा में आराम करने के लिये घुंस जाते है। मगर इस दौरान माटीपुत्र किसान अपने अनाज को तैयार करने में जुटा हुआ देखा जाता है। इस बात की सच्चाई इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करते हुये किसानों के खेतों में आसानी से देखी जा सकती है जहां पर किसान अपने खेतों की तैयार हो चुकी फसल को किस तरह संभालने में जुटा हुआ है।

सूरज की तपन से मानव जीवन से लेकर पशु पक्षी भी परेशान, पानी के लिए भटक रहे मूक पशु

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इन दिनों चल रहे हर साल के आषाढ़ तथा अधिमास के चलते जेयष्ठ माह में जहां सूरज भगवान आग वर्षो ने में कोई कसर नही छोड़ रहे है इसी के कारण गर्मी अपने शबाब पर रहने से सूर्यदेव के रौद्र रूप दिखाने से नगर की गलियो में सन्नाटे का आलम जहां दिखायी दे रहा है। वही धूप की चुभन के दौरान लोगों का सड़कों पर चलना दूभर हो रहा है। इस प्रकार से देखा जा रहा है कि गर्मी के तेवर तीखे होते जाने से शहर की जीवन रेखा शक्कर नदी की जल राशि समाप्त हो चुकी है और शहर का जल स्तर भी कम होने लगा है, जिसके चलते जहां मूक पशु पीने के पानी को लेकर परेशान नजर आ रहे है। वही दूसरी ओर पक्षियों को भी गर्मी के चलते ठंडक पाने के लिए भटकते हुए देखा जा रहा है। स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि गर्मी का असर सबसे ज्यादा उन पक्षियों पर पड़ रहा है जिसके चलते वह पानी की खोज में भटकते हुए देखे जा रहे है, हालत यह है कि गर्मी के भीषण होते जाने से दोपहर में पक्षियों की आवाज कम सुनी जा रही है और शहर का वातावरण अजीब हो गया है। गौरतलब है कि गर्मी के एकाएक बढ़नें का विपरीत असर जन स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। इस समय लगातार बढ़ती जा रही गर्मी से परेशान शहरवासियो का कहना है कि गर्मी तो अपना असर दिखाने बेताब है पर उससे पीडित होने वालों की सुध जिम्मेदारो द्वारा नही ली जा रही है। नगर के कई वार्डों में गंदगी के लगे अम्बारो को हटाने, चोक नालियॉ खोलने व नगर के अनेक वार्डो में शुद्ध पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था न होने से माहौल जिस तरह प्रदूषित हो रहा है उसके चलते नगर के लोगों को परेशान होते हुए देखा जा रहा है।

चार पायों के डेरा से हर नागरिक हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। लोग अपने घरों में दूध खाने के लिए जिस प्रकार से पालते है, मगर उनकी देख रेख करने की जगह नगरवासियों को परेशानी शानी पैदा करने छोड़ देते है? पशु मालिक दूध निकालकर दुधारू पशु को अपने घर से डण्डा मारकर बाहर निकाल देते है जियके चलते शाम होते ही शहर के मुख्य मार्गो में आवारा पशुओं का जमघट लगा रहता है।

लाखों की लागत से बने हुये सरकारी शाला भवन में भूसा के साथ रखे जा रहे कृषि यंत्र बच्चों को पढ़ाई करने के लिये दीवारों में बने हुये पहाड़े को देखकर क्या मवेशी लेते है स्वरूचि भोज

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

इस बात से इंकार नही किया जा सकता है कि सरकार द्वारा बच्चों के भविष्य को ध्यान मे रखते हुये शिक्षा के क्षेत्र में धनराशि खर्च करने में कोई कसर नही छोड़ी जा रही है। मगर जब उस शासकीय राशि का सही उपयोग होने की जगह मात्र औपचारिकता निभाने में नाम पर खर्च की जावे तो निश्चित ही सरकार द्वारा किये जाने वाले संपूर्ण प्रयासों को ग्रहण करने में देर नही लगती है तो दूसरी ओर अधिकारियों की भूमिका पर भी सबाल खड़े होने से नही चूकते है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत सलैया व सडूमर के बीच कोरई टोला में बने हुये शिक्षा गारंटी भवन को देखते हुये जान पड़ रहा है। क्योंकि बीरान इलाके में बने हुये इस शिक्षा गारंटी शासकीय शाला भवन में क्षेत्र के लोगों ने शायद ही आज तक किसी भी छात्र को अध्ययन करते हुये देखा गया होगा? क्योंकि यहां से ग्राम सडूमर व ग्राम सलैया की दूरी लगभग दो दो किलो मीटर है। वही दूसरी ओर इन ग्रामों में प्राथमिक स्तर के स्कूल संचालित हो रहे है। वही दूसरी ओर जिस जगह यह शाला भवन बनाया गया है वहां पर किसी भी प्रकार से रहवासी क्षेत्र ही नही है। मगर इसके बाद भी लाखों रूपया की सरकारी राशि से बनाये गया है शाला भवन शुरूआती तौर से ही चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है? वही गौर करने वाली बात यह भी है कि जब शाला भवन बना हुआ है तो निश्चित तौर से यहां पर सरकारी रिकार्ड में किसी ने किसी शिक्षक को तैनाती होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? क्योंकि इस शाला भवन की वर्तमान सच्चाई पर गौर किया जावे तो लाखों की लागत से बने हुये इस शाला भवन में जहां भूसा के ढेर नजर आ रहे है तो दूसरी ओर जिन कमरों में बैठकर बच्चों को पढ़ाई होना चाहिये थी उन कमरों में लिखें हुये पहाडे के नीचे जिस तरह भूसा को ढेर नजर आ रहा है उससे यह प्रतीत होने से नही चूक रहा हे कि शायद यहां पर किसी के मवेशी पहाड़ा याद करते हुये स्वरूचि भोज का आनंद लेने से नही चूक पाते होगे? वही दूसरी ओर शाला भवन की दहलान पर ट्रेक्टर की ट्राली सहित अन्य कृषि यंत्र रखे हुये दिखाई देने से जिले के शिक्षा अधिकारियों की उदासीनता की पोल खोलने में कोई कसर नही छोड़ रहा है? वही बताया जाता है कि जिस जगह पर कोरई टोला के नाम पर लगभग 17 वर्ष पहले शिक्षा गारंटी भवन का निर्माण किया गया था वहां पर न तो कोई रहवासी क्षेत्र है और न ही आसपास कोई लोग रहते है। इस स्थिति में निश्चित ही वर्षो पूर्व लाखों की राशि से बनाया गया है भवन तत्कालीन अधिकारियों की भूमिका पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है? लगभग 17 वर्ष पूर्व जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाले इस कोरई टोला जो पूर्णरूप से बीरान इलाके के रूप में दिखाई पड़ रहा है, जहां पर अधिकारियों द्वारा लाखों रूपया की शासकीय राशि खर्च करते हुये शिक्षा गारंटी भवन का निर्माण कराते हुये इसका लोकापर्ण 31 मई 2007 को क्षेत्र के तत्कालीन विधायक संजय शर्मा की मौजूदगी में बड़े ही धूमधाम के साथ कराया गया था। इस बात से इंकार भी नही किया जा सकता है कि जब यहां पर शिक्षा गारंटी केन्द्र की शिक्षा विभाग द्वारा स्थापना की गई है तो निश्चित ही यहां पर किसी ने किसी शिक्षक की भी नियुक्ति की गई होगी? क्योंकि बगैर किसी शिक्षक के तो कोई भी शिक्षण संस्था संचालित होने से रही अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि आखिरकार वह शिक्षक कौन है जिसकी देखरेख में यह केन्द्र संचालित हो रहा है? क्योंकि आज तक क्षेत्र के लोगों ने इस शाला भवन में किसी भी छात्र का अध्ययन करते हुये तो देखा नही है? इस तरह लाखों रूपया की राशि से बना हुआ यह भवन चारो ओर से पूर्णरूप से खंडहर में तब्दील हो चुका है। भवन के अंदर फैल रही गंदगी तथा लगे हुये भूखा के ढेर व आस पास खेती का काम करने वाले लोगों की रखी हुई सामग्री इस बात का उदाहरण देने से नही चूक पा रही है कि यह शासकीय भवन बच्चों को भविष्य बनाने के जगह क्षेत्र के किसानों के काम सहित मवेशियों का चारा गाह बन चुका है। वही दूसरी ओर इस सरकारी भवन में अनैतिक गतिविधियाँ संचालित होने की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है? मगर बडे ही हैरत की बात है कि इस तरह शासन की लाखों रूपया की राशि खर्च करते हुये बनाये गये इस भवन की सच्चाई पर निश्चित ही अनेक प्रकार के सबाल खड़े होने से इसलिये नही चूक रहे है। क्योंकि जब किसी शासकीय भवन का निर्माण किया जाता है तो उसे पहले जनपद पंचायत से पास करते हुये निर्माण का प्रस्ताव तैयार करते हुये उच्च अधिकारियों को भेजा जाता है तथा इसके उपरांत शिक्षा विभाग के जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा निर्माण स्थल का निरीक्षण करने के बाद उसे पास किया जाता है जब कही उसका निर्माण होता है। कुछ इसी प्रकार से इस भवन का निर्माण भी सरकारी अधिकारियों द्वारा सभी नियमों को पालन करते हुये स्वीकृत किया गया होगा तब कही भवन का निर्माण हुआ होगा। वही दूसरी ओर गौर करने वाली बात तो यह भी है कि जब भवन बना हुआ है तो निश्चित ही किसी शासकीय शिक्षक को नियुक्त भी किया गया होगा? इस भवन की सच्चाई को देखते हुये अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि आखिरकार गांव से दूर बीरान इलाके में इस भवन को पास करते हुये स्वीकृति प्रदान करने वाला वह अधिकारी कौन रहा होगा? वही इस शिक्षा गारंटी केन्द्र में पदस्थ रहने वाले शिक्षक कौन है और वह अपनी सेवाएं कहा दे रहा होगा तथा इस संस्था में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राएं कौन है जिनका भविष्य संभाला जा रहा है? सही मायने में देखा जावे तो यह कोरई टोला के नाम पर संचालित होने वाला शिक्षा गारंटी केन्द्र मात्र कागजों पर संचाहित होने के आलवा और कुछ नही है? शासन की राशि खर्च करते हुये भवन निर्माण से लेकर इस शिक्षा गारंटी केन्द्र में अध्ययन करने वाले छात्र छात्राओं की निष्ठा के साथ जांच होती है तो निश्चित ही चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने से नही चूक पायेगी? क्योंकि खंडहर होने के साथ पूर्णरूप से चारागाह बने चुका यह शासकीय भवन खुद ही अपने सच्चाई उजागर करने से नही चूक रहा है? क्योंकि इस भवन से दोनों ओर लगभग दो से तीन किलो मीटर के क्षेत्र में कोई भी रहवासी टोला तो दिखाई दे नही रहा है तथा एक ओर बसा हुआ ग्राम सडूमर जहां पर प्राथमिक शाला भवन से लेकर माध्यमिक स्तर की शिक्षण संस्था स्थापित है तो दूसरी ओर बसा हुआ ग्राम सलैया करहैया है जहां पर भी प्राथमिक शिक्षण संस्था संचालित हो रहे है। इस स्थिति में यहां के बच्चें तो यहां पर अध्ययन करने के लिये आने से रहे तो फिर सबाल यह पैदा हो रहा है कि आखिरकार इस कोरई टोला शिक्षा गारंटी भवन में कहा के बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिये शासन की लाखों रूपया की राशि खर्च की गई होगी? निश्चित ही यह शासकीय भवन एक बड़ी जांच की ओर संकेत देने से नही चूक रहा है, क्योंकि इस भवन के स्थापना की जांच होती है तो चौकाने वाली सच्चाई उजागर होने के साथ साथ शिक्षा विभाग के अधिकारी बेनकाब होने से नही चूक पायेगे?

सात चोरियों का भेद खोलने में विशेष सफलता हासिल करने पर टीआई चौहान सहित एएसआई तिवारी व आरक्षक चौबे होगे पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

अपने दायित्वों का निर्वाहन तो हर अधिकारी व कर्मचारी को करते हुये देखा जाता है। क्योंकि वह कार्य उसकी डियूटी का हिस्सा होता है। मगर किसी विशेष मामले में जब वह पूर्ण लग्न के साथ अपने दायित्वों का निर्वाहन करते हुये सफलता हासिल करता है। इस स्थिति में यदि अधिकारियों द्वारा उसे सम्मानित किया जाता है तो इससे जहां उसके अंदर उत्साह वर्धन होता है तो दूसरी ओर उसकी लग्न में चार चांद लगने से नही चूक पाते है। कुछ इसी प्रकार से टीआई अशोक सिंह चौहान की टीम में शामिल ए एस आई राजेश तिवारी के आलवा आरक्षक क्रमांक 767 रूपेन्द्र चौबे, आरक्षक क्रमांक 406 विश्वजीत सिंह, आरक्षक क्रमांक 140 बाल कृष्ण रघुवंशी, आरक्षक क्रमांक 645 सुजीत बागरी तथा आरक्षक क्रमांक 60 उत्तम उचाड़िया द्वारा के आनंद बिहार कालोनी में घटित हुई चोरी की घटना के आरोपियों की खोजबीन करने में सफलता हासिल करते हुये अन्य दूसरी आधा दर्जन चोरियों का खुलासा कराने में जिस तरह की अहिम भूमिका निभाते हुये एक बड़ी सफलता हासिल की गई थी। टीआई चौहान सहित उनकी टीम की इस सफलता के चलते जिला पुलिस अधीक्षक डा. ऋषिकेश मीना द्वारा इस टीम को पुरूस्कृत करने के लिये पुलिस मुख्यालय प्रतिवेदन भेजा गया था। जिला पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर प्रदेश के पुलिस महानिर्देशक कैलाश मकवाणा द्वारा टीआई अशोक सिंह चौहान को 5 हजार रूपया तथा एक एस आई राजेश तिवारी को 3 हजार रूपया तथा आरक्षक रूपेन्द्र चौबे सहित अन्य सभी पुलिस कर्मियों को एक एक हजार रूपया के नगद पुरूस्कार से पुरूस्कृत किये जाने की घोषणा किये जाने से स्थानीय पुलिस विभाग में हर्ष का महौल दिखाई देने के साथ इन पुलिस कर्मियों के हौसले में उत्साह वर्धन दिखाई दे रहा है।

बरमान निवासी युवक से जप्त किया गांजा

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

मादक पदार्थो के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के जिये जिला पुलिस अधीक्षक डा. ऋषिकेश मीना के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया तथा उप पुलिस अधीक्षक एल एस डागूर के मार्ग दर्शन में गाडरवारा टीआई अशोक सिंह चौहान व उनकी टीम द्वारा लगातार अभियान चलाते हुये मादक पदार्थो के कारोबारियों के खिलाफ कार्यवाही की जा ही है। जब बीते हुये दिवस गाडरवारा पुलिस द्वारा क्षेत्र में संदिग्धों पर नजर रखते हुये गस्त की जा रही थी। इसी दौरान शक्कर नदी के उस पार शिवधाम डमरूघाटी से ग्राम केकरा की ओर जाने वाले मार्ग पर पुलिस को एक युवक संदिग्ध स्थिति में दिखाई देने के साथ पुलिस को देखकर भागने का प्रयास करते हुये प्रतीत होने पर गस्त टीम द्वारा युवक की घेराबंदी करते हुये जब उसे पकड़कर पूछताछ की गई तो युवक ने अपना नाम अरूण पिता नर्मदा प्रसाद शर्मा उम्र 35 साल निवासी बरमान का होना बताया गया। वही पुलिस द्वारा एक के थैले की तलाशी लेने पर उसके अंदर लगभग 2 किलोग्राम गांजा पाये जाने पर पुलिस द्वारा युवक के पास से गांजा जप्त करते हुये युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला कायम करते हुये गिरफ्तार करते हुये मा. न्यायालय के समक्ष पेश करते हुये रिमार्ड पर लेकर इस बात का पता करने का प्रसास किया जा रहा है कि आखिरकार वह इस तरह अवैध मादक पदार्थ गांजा इतनी दूर से यहां पर किसको विक्रय करने के लिये लेकर आया हुआ था। इस तरह मादक पदार्थो के तस्कर को पकड़ने में टीआई अशोक सिंह चौहान के नेतृत्व में एस आई अंकित रावत के आलवा आरक्षक श्रजल भार्गव, अक्षय श्रीवास्तव, महेंद्र बाबरिया एवं विश्वजीत की मुख्य भूमिका रही है।

वर्षो बाद दुर्लभ महासंयोग से पड़ी सोमवती अमावस्या के चलते नर्मदाजी के तटों पर उमड़ा भक्तों का सैलाव, आस्था की डुबकी लगाते हुये की आराधना

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा।

वैसे देखा जावे तो हर माह की अमावस्या हो या पूर्णिमा नर्मदा तटों पर भक्तों की भीड़ तो देखने मिलना आम बात रहती है। मगर बीते हुये सोमवार को जिस तरह सोमवती अमावस्या के अवसर पर माँ नर्मदाजी के तटों का अनोखा ही नजारा दिखाई देने से नही चूक रहा था। कई वर्षो के दुर्लभ महासंयोग के बीच आई इस अमावस्या के मौके पर हर व्यक्ति नर्मदाजी में आस्था की डुबकी लगाने के लिये उत्साहित दिखाई देने से नही चूक रहा था और इसी के चलते जहां नर्मदा तटों पर मेला जैसे नजारे दिखाई दिये तो दूसरी ओर इस सोमवती अमावस्या के अवसर पर महिला द्वारा भी व्रत रखते हुये माँ तुलसी की 108 परिक्रमा लगाते हुये सुख समृद्वि की कामना की गई। बताया जाता है कि पुरुषोत्तम मास के बीच पड़ी सोमवती अमावस्या सनातन धर्म में अत्यंत पुण्यदायी और विशेष मानी जाती है। जब अमावस्या तिथि सोमवार के दिन आती है, तब उसे सोमवती अमावस्या कहा जाता है। इस वर्ष इसका महत्व और भी बढ़ जाता है। क्योंकि यह अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) के पावन काल में पड़ना बड़ा ही अनोखा था जिससे इसका धार्मिक और आध्यात्मिक प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है। भगवान शिव के प्रिय सोमवार तथा भगवान विष्णु को समर्पित अधिक मास का यह अद्भुत संयोग श्रद्धालुओं के लिए पुण्य संचय, पितृ तृप्ति और आध्यात्मिक उन्नति का दुर्लभ अवसर प्रदान करता है। इस वर्ष सोमवती अमावस्या के अवसर पर अमावस्या तिथि का सोमवार को आना, अधिक मास में सोमवार को 30 वर्षों बाद आना, अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) का प्रभाव, भगवान, शिव एवं विष्णु जी दोनों की विशेष कृपा का योग तथा पितृ तर्पण और दान-पुण्य के लिए अत्यंत शुभ काल माना जाता है।

धार्मिक मान्यता है कि ऐसे संयोग में किए गए जप, तप, दान, स्नान और व्रत का फल सामान्य दिनों की अपेक्षा कई गुना अधिक प्राप्त होता है। वही बताया जाता है कि सनातन परंपरा में सोमवती अमावस्या को पाप-क्षय, पितृ-तृप्ति और सौभाग्य-वृद्धि की तिथि माना गया है। इस दिन भगवान शिव जी और माता पार्वती जी की पूजा विशेष फलदायी होती है। भगवान विष्णु जी का स्मरण एवं पुरुषोत्तम मास की साधना अक्षय पुण्य प्रदान करती है। इस दिन विवाहित महिलाएँ अखंड सौभाग्य एवं परिवार की सुख-समृद्धि के लिए व्रत रखती हैं। पीपल वृक्ष की पूजा एवं परिक्रमा का विशेष महत्व बताया गया है। शास्त्रीय मान्यता के अनुसार सोमवती अमावस्या पर श्रद्धापूर्वक किए गए धार्मिक कार्यों से पितृ कृपा प्राप्त होती है तथा पापों का क्षय होने के साथ सौभाग्य और समृद्धि बढ़ती है। वही मनोकामनाओं की पूर्ति का मार्ग प्रशस्त होता है,भगवान शिव एवं विष्णु की विशेष कृपा प्राप्त होती है तथा आध्यात्मिक उन्नति और आत्मशुद्धि होती है। क्योंकि सोमवती अमावस्या अत्यंत दुर्लभ एवं पुण्यदायी मानी गई है। सोमवार, अमावस्या और अधिक मास का यह महासंयोग लगभग 30 वर्षों बाद प्राप्त हुआ है। इस दिन स्नान, दान, श्राद्ध, तर्पण, पीपल पूजन तथा शिव-विष्णु आराधना करने से अक्षय पुण्य, पितृ कृपा एवं भगवान की विशेष अनुकम्पा प्राप्त होती है। इसी के चलते माँ नर्मदाजी के सभी तटों पर भक्तों की भीड़ देखने मिली।

जन कल्याण शिविर में चित्रकला प्रतियोगिता के विजेताओं का किया सम्मान

हरिभूमि न्यूज/चीचली। सोमवार को जनपद पंचायत चीचली द्वारा जनकल्याण शिविर पंचायत भवन गांगई में आयोजित किया गया। बताया जाता है कि इस शिविर में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता एवं शाला प्रवेश अभियान का आयोजन भी किया गया था। वही कार्यक्रम विकासखंड शिक्षा अधिकारी वीरेन्द्र सिंह राजपूत एवं विकासखंड स्रोत समन्वयक डी.के. पटेल के निर्देशन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में जनपद अध्यक्ष श्रीमती राधाबाई अहिरवार की उपस्थिति रही। साथ ही मंचासीन अतिथियों में मुकेश मरैया पूर्व जनपद अध्यक्ष, नरेश कौरव भाजपा मंडल अध्यक्ष, के.एल. साहू एवं चंद्रकांत गुप्ता द्वारा विजेता एवं प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।चित्रकला प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस मौके पर मौजूद अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला तथा शाला प्रवेश अभियान के अंतर्गत प्रत्येक बच्चे को विद्यालय से जोड़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में शिक्षा विभाग की ओर से अरुण दुबे (बी.ए.सी.), संजय सोनी, बुलंद कुशवाहा, दिनेश चौरसिया, लेखराम गौतम एवं सत्यम ताम्रकार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों एवं ग्रामीणजनों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया तथा शिक्षा विभाग की इस पहल की सराहना की गई।

ग्राहकों को खुलेआम चूना लगा रहे है दुकानदार, संबंधित विभाग सो रहा कुंभकर्णी निंद्रा में

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। शहरों व कस्बों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों मे लगने वाले साप्ताहिक हाट बाजारों मे सब्जी दुकानों पर चोरी उपर से सीना जोरी वाली कहावत एकदम फिट बैठती है, ग्राहकों की नजरों के सामने सब्जी व फल विक्रेता एक किलो के तौल मे सौ ग्राम से लेकर ढाई सौ ग्राम तक की डंडी मारते हुए अपनी कलाबाजी का प्रदर्शन करने से नही चूक रहे है? इस प्रकार से कम तौल के बार मे अगर खरीददार ने जरा सी भी आपत्ति प्रकट की तो फिर सब्जी दुकानदारों के तेवर ऊँचे नीचे होने लगते है, शहर सहित आसपास के क्षेत्रों में लगने वाले अधिकांश सब्जी भाजी विक्रकताओं के तराजू बांट प्रमाणित नही है, अनेक जगहों पर तो फल व सब्जी के अधिकांश दुकानदार ऐसे है जिनको तराजू मे सामान तोलते वक्त बांट की जगह पत्थर नट बोल्ट आदि उपयोग में लाये जाते हुए आसानी से देखे जा सकते है? आडे तेडे और पुराने डंडी वाले तराजू और बांट के जरिये तौलते समय डंडी मारने का धंधा सरेआम चल रहा है? यहां के अनेक छोटे बडे सब्जी बाजारों मे तौल के समय कांटा मारने का धंधा धड़ल्ले से जारी है जिले के नापतौल विभाग की लापरवाही और उचित देखरेख के अभाव मे सब्जी और फल विक्रेता कम समान तौल कर भोली भाली जनता को ठग रहे है। उल्लेखनीय है कि यहां के बाजारों मे सालों से अवैध तराजू और कांटे बांट इस्तेमाल किये जा रहे है जिस पर नापतौल विभाग से सत्यापन की सील नही लगी है। बाजार मे प्रचालित तौल के मात्र पांच से दस प्रतिशत तराजू कांटे बांट से नापतौल विभाग की थप्पा लगा रहता है।

मुख्य सड़क पर निर्माण सामग्री रखते हुए, लोगों की जिन्दगी के साथ की जा रही खिलवाड़, प्रशासन बैठा है मौन

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया।

जहां एक ओर आये दिन पुलिस प्रशासन के साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा यातायात व्यवस्था सुचारू बनाने के नाम पर कार्यवाही की जाती है, इतना ही नली पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को देखा जाता है कि जब कोई वाहन चालक अपने वाहन को सड़क किनारे खड़े करते हुए किसी दुकान पर सामन लेने के लिए जाता है तो पुलिस द्वारा उसके वाहन की या तो हवा निकाल दी जाती है या फिर उसे थाने में पहुंचाते हुए चालानी कार्यवाही करते हुए कहा जाता है कि उनके द्वारा यातायात व्यवस्था बनाई जा रही है..? मगर जब देखा जा रहा है कि प्रदेश स्तर की स्टेट हाइवे माने जाने वाली मुख्य सड़क पर ही लोगों द्वारा अपने स्वार्थ के चलते अतिक्रमण करते हुए निर्माण सामग्री रखते हुए आम लोगों की जिन्दगी के साथ खुलेआम खिलवाड़ की जा रही है उसे लेकर प्रशासन द्वारा मूक बना होना जहां चर्चा का विषय बना हुआ है, वही पुलिस प्रशासन के साथ साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की

उदासीनता का खुला प्रमाण देते हुए जान पड़ रहा है? इस संबंध में बताया जाता है कि जबलपुर से प्रदेश की राजधानी को जोड़ने वाला मुख्य स्टेट हाइवे मार्ग ग्राम कौड़िया के बीचो बीच से निकला हुआ है, जिस पर 24 घंटे छोटे से लेकर बड़े वाहनों का निकलना होता रहता है कभी कभी तो स्थिति इस प्रकार से बन जाती है कि इस सड़क पर यातयाता का दबाव अधिक होने के कारण जाम जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है? इसके बाद भी नगर के राजीव चौक के पास कुछ लोगों द्वारा अपने स्वार्थ के चलते मुख्य सड़क किनारे ही अतिक्रमण करते हुए भवन निर्माण सामग्री रख दी गई जिसके चलते जहां यातायात में परेशानियों का सामना तो करना ही पड़ रहा है, वही दूसरी ओर जब कोई वाहन यहां से निकलता है तो यह गिट्टी उचट जाने के कारण लोगों की जिन्दगी के लिए खुलेआम खतरे की घंटी बाजते हुए जान पड़ती है? अक्सर देखा जाता है कि छोटे वाहन चालक तो जब इस मार्ग से गुजरते है तो सड़कों पर रखी हुई निर्माण सामग्री के चलते उनके वाहन स्लिप हो जाने से वह लोग गिरने से भी नही बचते है? वही दूसरी ओर अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भी इस मार्ग से दिन में गई बार गुजरना होता है उनके द्वारा भी इस प्रकार से मुख्य सड़क पर जबरन निर्माण सामग्री रखते हुए किया गया अतिक्रमण दिखाई नही देने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? इस स्थिति को देखते हुए जहां वाहन चालक परेशान हो रहे है, वही दूसरी ओर पुलिस प्रशासन के साथ साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता का प्रमाण भी दिखाई दे रहा है।

खबर संक्षेप

समय सीमा बैठक में कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश, योजनाओं के क्रियान्वयन और शिकायतों के निराकरण पर जोर

डिंडौरी। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सोमवार को कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया की अध्यक्षता में समय.सीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओंए विकास कार्यों तथा जनहित से जुड़े प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय.सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन विभागों में लगातार शिकायतें लंबित रहेंगी अथवा बार.बार शिकायतें दर्ज होंगीए उनके विरुद्ध जवाबदेही तय करते हुए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।मत्स्य विभाग की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने मुख्यमंत्री मत्स्य पालन योजना एवं स्मार्ट फिश पार्लर निर्माण कार्यों की प्रगति पर संतोषजनक गति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधूरे निर्माण कार्यों को एक सप्ताह के भीतर पूर्ण कर संचालन प्रारंभ कराया जाएए ताकि हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ मिल सके।हाल ही में ग्राम पंचायत गौरा कन्हारी के भ्रमण के दौरान वन अधिकार पत्रों में पाई गई त्रुटियों का उल्लेख करते हुए कलेक्टर ने जनजातीय कार्य विभागए वन विभाग और राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिलेभर में ऐसे प्रकरणों की समीक्षा कर 15 दिनों के भीतर आवश्यक सुधार सुनिश्चित किए जाएं।कृषि विभाग को किसानों के कृषक पंजीयन का सत्यापन कर समय पर बीज एवं उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। साथ ही फसल बीमा से संबंधित प्रक्रियाओं को पूर्ण कर पात्र किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने पर भी जोर दिया गया। पशुपालन विभाग को ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं के नियमित टीकाकरण और कृत्रिम गर्भाधान कार्यक्रमों की प्रभावी निगरानी करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने संक्रामक रोगों की रोकथाम के लिए विशेष अभियान चलाने तथा गांव.गांव पहुंचकर पशुपालकों को जागरूक करने पर बल दिया। बैठक में कलेक्टर ने बताया कि जिले में 12 जून से 18 जून तक विकासखंड एवं जिला मुख्यालय स्तर पर जनकल्याणकारी शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने आम नागरिकों से इन शिविरों में अधिकाधिक संख्या में पहुंचकर विभिन्न शासकीय योजनाओं का लाभ लेने और स्वरोजगार के अवसरों का उपयोग करने की अपील की। शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारीए सहायक आयुक्त एवं जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया कि नए शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ होने से पूर्व सभी विद्यालयोंए छात्रावासों और कन्या आश्रमों में साफ.सफाई तथा आवश्यक मरम्मत कार्य पूर्ण कर लिए जाएंए ताकि विद्यार्थियों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।उन्होंने सभी विभागों को न्यायालयों में लंबित प्रकरणों में समय पर जवाब प्रस्तुत करने और प्रकरणों के प्रभावी निराकरण के लिए गंभीरता से कार्य करने के निर्देश भी दिए।बैठक में स्कूल चलें हम अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत 16 जून से 30 जून तक आयोजित शाला प्रवेशोत्सव एवं शाला प्रारंभ उत्सव कार्यक्रमों की भी समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को अपने निर्धारित विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों से संवाद स्थापित करने और अपने अनुभव साझा करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अधिकारियों की सहभागिता से विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलेगी और शिक्षा के प्रति सकारात्मक वातावरण का निर्माण होगा।बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिव्यांशु चौधरीए एसडीएम शहपुरा श्री ऐश्वर्य वर्मा एसडीएम डिंडौरी रामबाबू देवांगन डिप्टी कलेक्टर वैधनाथ वासनिकए प्रशिक्षु डीएफओ विकासए डिप्टी कलेक्टर सुश्री प्रियांशी जैन सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग राजेंद्र कुमार जाटव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठे गंभीर सवाल

सब्जी मंडी के बीच खुलेआम बिक रहा मांस
मछली की शिकायतों पर भी नहीं हुई कार्रवाई

डिंडौरी।

नगर परिषद डिंडौरी के वार्ड क्रमांक 4 स्थित मुख्य सब्जी मंडी में खुलेआम मांसए मछली और मुर्गा विक्रय किए जाने को लेकर नागरिकों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। मुख्यमंत्री के सार्वजनिक स्थानों पर खुले में मांस.मछली बिक्री पर रोक संबंधी स्पष्ट निर्देशों के बावजूद सब्जी मंडी क्षेत्र में वर्षों से मीट.मुर्गा मार्केट संचालित हो रहा है। हैरानी की बात यह है कि इस संबंध में लिखित शिकायतें किए जाने के बाद भी प्रशासन की ओर से कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है।जानकारी के अनुसार समाजसेवी रोहित कांस्कर द्वारा कलेक्टर डिंडौरी एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी को लिखित शिकायत सौंपकर सब्जी मंडी के बीच संचालित मीट.मुर्गा मार्केट को अन्य उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित करने की मांग की गई थी। शिकायत में उल्लेख किया गया है कि पूर्व में भी कई बार आवेदन एवं शिकायतों के माध्यम से अधिकारियों का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित कराया जा चुका हैए लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

शिकायत में कहा गया है कि वार्ड क्रमांक 4 की सब्जी

मंडी में प्रतिदिन बड़ी संख्या में महिलाएंए बच्चे और आम नागरिक सब्जियां एवं अन्य खाद्य सामग्री खरीदने पहुंचते हैं। ऐसे स्थान पर मीट.मुर्गा मार्केट का संचालन स्वच्छताए सार्वजनिक स्वास्थ्य और नागरिक सुविधाओं की दृष्टि से उचित नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि मांस.मछली विक्रय से उत्पन्न दुर्गंधए गंदगी और संक्रमण की आशंका के कारण बाजार का वातावरण प्रभावित हो रहा है।

नर्मदा परिक्रमा मार्ग पर संचालित हो रहा बाजार

यह क्षेत्र नर्मदा नदी और नर्मदा परिक्रमा मार्ग के समीप स्थित हैए जहां प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं यात्री गुजरते हैं। धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस क्षेत्र में खुलेआम मांस.मछली विक्रय को लेकर भी लोगों ने आपत्ति जताई है। नागरिकों का कहना है कि इससे न केवल श्रद्धालुओं की भावनाएं प्रभावित होती हैं बल्कि नगर की छवि पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है।

क्या डिंडौरी ही बना अपवाद

शिकायतकर्ता ने अपने आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि संभवतः मध्यप्रदेश में डिंडौरी ऐसा पहला जिला होगा जहां सब्जी मार्केट और मीट.मुर्गा मार्केट एक ही स्थान पर संचालित हो रहे हैं। उनका कहना है कि यदि प्रशासन चाहे तो इस तथ्य का सत्यापन कर सकता है। लोगों का मानना है कि ऐसी व्यवस्था किसी भी नगर की स्वच्छ एवं व्यवस्थित बाजार प्रणाली के अनुरूप नहीं मानी जा सकती।

कार्रवाई के नाम पर केवल औपचारिकता

स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि नगर परिषद द्वारा समय.समय पर अतिक्रमण हटाने के अभियान चलाए जाते हैंए लेकिन इनका प्रभाव कुछ घंटों या कुछ दिनों तक ही दिखाई देता है। लोगों का कहना है कि कार्रवाई से पहले ही संबंधित लोगों तक सूचना पहुंच जाती हैए जिससे ठेले और दुकानें अस्थायी रूप से हटा ली जाती हैं और अभियान समाप्त होते ही फिर उसी स्थान पर कारोबार शुरू हो जाता है। ऐसे में कार्रवाई की गंभीरता पर भी सवाल उठ रहे हैं।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब शिकायतें अधिकारियों के कार्यालय तक पहुंच चुकी हैं और शिकायत पत्र पर प्राप्ति की पुष्टि भी हो चुकी हैए तब भी हालात जस के तस क्यों बने हुए हैंध्यदि प्रशासन के पास समस्या की जानकारी हैए तो फिर समाधान के लिए कदम क्यों नहीं उठाए जा रहेध्यह सवाल अब आम नागरिकों के बीच चर्चा का विषय बन चुका है।प्रदेश सरकार द्वारा खुले में मांस.मछली विक्रय पर नियंत्रण और व्यवस्थित संचालन को लेकर लगातार निर्देश दिए जाते रहे हैं। इसके बावजूद वार्ड क्रमांक 4 की सब्जी मंडी में खुलेआम मांसए मछली और मुर्गा विक्रय जारी रहना स्थानीय प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है। नागरिकों का कहना है कि जब शासन के स्पष्ट निर्देशों का पालन ही सुनिश्चित नहीं हो पा रहा हैए तो आम जनता की शिकायतों और जनहित से जुड़े मुद्दों को कितनी प्राथमिकता मिल रही होगीए इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है।स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन और नगर परिषद से मांग की है कि वार्ड क्रमांक 4 में संचालित मीट.मुर्गा मार्केट का तत्काल निरीक्षण कराया जाएए बाजार को नगर परिषद द्वारा निर्धारित किसी पृथक एवं उपयुक्त स्थान पर स्थानांतरित किया जाए तथा खाद्य सुरक्षाए स्वच्छता एवं नगर परिषद के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

करोड़ों खर्च फिर भी बदहाल व्यवस्था ए सीवर लाइन के कामों पर उठे गंभीर सवाल
वार्ड क्रमांक 9 में बार बार चोक हो रही लाइन, घरों में घुस रहा सीवर का गंदा पानी

डिंडौरी। नगर में करोड़ों रुपये की लागत से संचालित सीवर लाइन परियोजना एक बार फिर विवादों के केंद्र में आ गई है। नागरिकों का आरोप है कि परियोजना का कार्य कर रही कंपनी पर प्रभावी निगरानी नहीं होने के कारण कई स्थानों पर तकनीकी मानकों की अनदेखी की जा रही हैए जिसका खामियाजा आम लोगों को भुगतना पड़ रहा है।ताजा मामला वार्ड क्रमांक 09 का हैए जहां सीवर लाइन की तकनीकी खामियों के कारण रहवासी गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार क्षेत्र में महज 4 इंच व्यास की पाइपलाइन के माध्यम से ठोस अपशिष्ट को प्रवाहित किया जा रहा है। कम क्षमता वाली पाइपलाइन में ठोस अपशिष्ट के बहाव के कारण लाइन बार.बार चोक हो रही हैए जिससे सीवर का गंदा पानी ओवरफ्लो होकर लोगों के घरों तक पहुंच रहा है।वार्डवासियों का कहना है कि समस्या के चलते उन्हें दुर्गंधए गंदगी और संक्रमण के खतरे के बीच जीवन यापन करना पड़ रहा है। कई बार शिकायतें किए जाने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकल पाया हैए जिससे लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है।

अधूरे रेस्टोरेशन कार्य बने परेशानी का कारण

नागरिकों ने आरोप लगाया है कि सीवर लाइन बिछाने के लिए कई स्थानों पर सड़कों और सार्वजनिक स्थलों की खुदाई तो कर दी गईए लेकिन इसके बाद रेस्टोरेशन कार्य समय पर पूरा नहीं किया गया। परिणामस्वरूप सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई हैं और आवागमन प्रभावित हो रहा है। बरसात के मौसम में यह स्थिति और अधिक गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है।

गुणवत्ता और मॉनिटरिंग पर उठ रहे सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि परियोजना के कार्यों की नियमित तकनीकी जांच और गुणवत्ता परीक्षण किया जाताए तो इस प्रकार की समस्याएं सामने नहीं आतीं। नागरिकों का आरोप है कि मॉनिटरिंग के अभाव में कंपनी मनमाने ढंग से कार्य कर रही हैए जबकि जिम्मेदार विभाग केवल औपचारिक निरीक्षण तक सीमित दिखाई दे रहे हैं।

गौरतलब है कि पूर्व में तालाब के बीच से सीवर लाइन डालने का मामला भी चर्चा का विषय बना था। उस समय इस मुद्दे को लेकर कई सवाल उठे थेए लेकिन समय के साथ मामला ठंडे बस्ते में चला गया। लोगों का कहना है कि ऐसे मामलों में जवाबदेही तय नहीं होने से कंपनी के कार्यों पर नियंत्रण कमजोर पड़ता जा रहा है।दूसरी ओर नगर परिषद शहर के बड़े नालों को सीवर नेटवर्क से जोड़ने का कार्य भी कर रही है। इसका उद्देश्य गंदे पानी को सीधे नर्मदा नदी में जाने से रोकना तथा वर्षाकाल में जलभराव की समस्या को कम करना है। परिषद का दावा है कि इस व्यवस्था से पूर्व वर्षों की तुलना में लोगों के घरों में नालों का पानी घुसने की समस्या में कमी आएगी।

आखिर जवाबदेह कौन

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब सीवर परियोजना पर करोड़ों रुपये खर्च किए जा रहे हैंए तो कंपनी के कार्यों की तकनीकी निगरानी कौन कर रहा हैध्यदि पाइपलाइन का आकारए निर्माण गुणवत्ता और रेस्टोरेशन कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं हैंए तो इसकी जिम्मेदारी किसकी तय होगीध्नागरिकों ने मांग की है कि पूरे सीवर नेटवर्क की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराई जाएए वार्ड क्रमांक 09 में उत्पन्न समस्या का स्थायी समाधान निकाला जाए तथा परियोजना में कार्यरत एजेंसी को निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप कार्य करने के लिए बाध्य किया जाए। लोगों का कहना है कि जवाबदेही तय किए बिना और प्रभावी मॉनिटरिंग के अभाव में करोड़ों रुपये की यह परियोजना अपने उद्देश्य से भटक सकती है।

विहिप और बजरंग दल ने सौंपा ज्ञापन

अमरपुर। जनपद मुख्यालय अमरपुर स्थित रानी अवंतीबाई तिराहा पर वर्षों पुराने बरगद वृक्ष के आसपास फैली गंदगी और अव्यवस्था को लेकर विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने तहसीलदार के नाम ज्ञापन सौंपकर शीघ्र कार्रवाई की मांग की है।सौंपे गए ज्ञापन में बताया गया है कि बरगद वृक्ष के समीप बने चबूतरे पर यात्रियों की सुविधा के लिए सार्वजनिक प्याऊ एवं फ्रिज की व्यवस्था की गई है। हालांकि कुछ लोगों द्वारा पानी की खाली बोतलें तथा अन्य कचरा वहीं फेंक दिया जाता हैए जिससे परिसर में गंदगी का माहौल बना रहता है। इसके अलावा कुछ व्यक्तियों द्वारा गुटखा एवं पान का सेवन कर वृक्ष के आसपास थूकने तथा मुंह धोने जैसी गतिविधियां भी की जा रही हैंए जिससे धार्मिक आस्था रखने वाले लोगों की भावनाएं आहत हो रही हैं।

संगठन के पदाधिकारियों ने बताया कि उक्त बरगद वृक्ष क्षेत्रवासियों की आस्था का प्रमुख केंद्र है। यहां बड़ी संख्या में महिलाएं पूजा.अर्चना कर वृक्ष की परिक्रमा करती हैं तथा धार्मिक मान्यताओं के अनुसार धागा बांधकर मन्नत मांगती हैं। ऐसे पवित्र स्थल के आसपास गंदगी और अस्वच्छता का वातावरण बनना उचित नहीं है।विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने प्रशासन से मांग की है कि सार्वजनिक प्याऊ एवं फ्रिज को वृक्ष से उचित दूरी पर स्थापित किया जाए तथा परिसर की नियमित साफ.सफाई सुनिश्चित की जाए। संगठन का कहना है कि इससे धार्मिक स्थल की गरिमा बनी रहेगी और आम नागरिकों को भी स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो सकेगा।ज्ञापन की प्रतिलिपि ग्राम पंचायतए जनपद पंचायत तथा जिला पंचायत को भी प्रेषित की गई है। संगठन ने प्रशासन से शीघ्र आवश्यक कदम उठाकर समस्या के स्थायी समाधान की अपेक्षा जताई है।

आदिवासी अंचल को मिली विधि शिक्षा की नई सौगात
सम्यक जैन ने दिग्विजय सिंह व विवेक तन्खा का जताया आभार

डिंडौरी। आदिवासी बाहुल्य डिंडौरी जिले के विद्यार्थियों के लिए विधि शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। शासकीय लॉ कॉलेज डिंडौरी को मान्यता मिलने की प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अब जिले के युवाओं को अपने ही क्षेत्र में कानून की पढ़ाई करने का अवसर प्राप्त होगा। इस उपलब्धि पर अधिवक्ता सम्यक जैन ने जिलेवासियों की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह एवं वरिष्ठ अधिवक्ता तथा राज्यसभा सदस्य विवेक कृष्ण तन्खा को धन्यवाद पत्र प्रेषित कर आभार व्यक्त किया है।अधिवक्ता ने बताया कि उन्होंने पूर्व में दोनों वरिष्ठ नेताओं को पत्र लिखकर डिंडौरी में संचालित शासकीय लॉ कॉलेज को शीघ्र मान्यता दिलाने के लिए आवश्यक पहल करने का अनुरोध किया था। पत्र में आदिवासी अंचल के विद्यार्थियों की समस्याओं का उल्लेख करते हुए बार काउंसिल ऑफ इंडिया के स्तर पर समन्वय स्थापित कर प्रक्रिया को गति देने की मांग की गई थी।उन्होंने बताया कि इस विषय पर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह और वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक कृष्ण तन्खा ने सकारात्मक पहल करते हुए मामले को गंभीरता से लिया तथा आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया था। विवेक कृष्ण तन्खा ने भी विश्वास दिलाया था कि डिंडौरी के विद्यार्थियों को शीघ्र ही विधि शिक्षा के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि प्राप्त होगी।लगातार प्रयासों और समन्वय के परिणामस्वरूप बार काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा 10 जून 2026 को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालयए जबलपुर के कुलसचिव एवं शासकीय लॉ कॉलेज डिंडौरी के प्राचार्य के नाम आवश्यक पत्र जारी किया गया। इसके साथ ही कॉलेज की मान्यता संबंधी प्रक्रिया पूरी हो गईए जिससे जिले में विधि शिक्षा का मार्ग प्रशस्त हो गया है।इस निर्णय से अब डिंडौरी जिले के विद्यार्थियों को कानून की पढ़ाई के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। विशेष रूप से आदिवासी और ग्रामीण

क्षेत्रों के विद्यार्थियों को इसका सीधा लाभ मिलेगा तथा उच्च शिक्षा के अवसरों में वृद्धि होगी। साथ ही भविष्य में जिले से अधिक संख्या में अधिवक्ताए विधि विशेषज्ञ एवं न्यायिक सेवाओं में जाने वाले युवा तैयार होने की संभावना भी बढ़ेगी।इस उपलब्धि पर जयस प्रदेश अध्यक्ष इंद्रपाल मरकाम ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे आदिवासी अंचल के विद्यार्थियों के लिए ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण विधि शिक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में यह महत्वपूर्ण उपलब्धि हैए जो उनके भविष्य को नई दिशा प्रदान करेगी।अधिवक्ता सम्यक जैन ने कहा कि शासकीय लॉ कॉलेज डिंडौरी को मान्यता मिलना पूरे जिले के लिए गौरव और हर्ष का विषय है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंहए वरिष्ठ अधिवक्ता विवेक कृष्ण तन्खाए जयस प्रदेश अध्यक्ष इंद्रपाल मरकाम सहित सभी सहयोगकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता सामूहिक प्रयासए सकारात्मक संवाद और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता का परिणाम है।

सक्षम समर कैंप का समापन छात्र.छात्राओं ने प्रदर्शित किए जीवन कौशल और रचनात्मक प्रतिभा

अमरपुर। जनजातीय कार्य विभाग के मार्गदर्शन में संचालित सक्षम जीवन कौशल कार्यक्रम के तहत सीनियर उत्कृष्ट कन्या छात्रावास अमरपुर एवं अंग्रेजी माध्यम बालक आश्रम शाला अमरपुर में आयोजित ग्रीष्मकालीन शिविर का उत्साहपूर्ण समापन किया गया। शिविर के दौरान छात्र.छात्राओं ने विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में सहभागिता कर अपनी प्रतिभाए नवाचार क्षमता और जीवन कौशल का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।समापन कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा कबाड़ से जुगाड़ए मिट्टी के खिलौनेए कागज की कलाकृतियांए प्राकृतिक रंगों से पेंटिंगए सेल्फी प्वाइंटए गोंडी चित्रकला तथा पर्यावरण संरक्षण पर आधारित विभिन्न मॉडल प्रस्तुत किए गए। इन प्रदर्शनों ने विद्यार्थियों की सृजनात्मक सोच और सामाजिक सरोकारों को उजागर किया। शिविर के दौरान भविष्य निर्माणए परीक्षा में बेहतर प्रदर्शनए जीवन लक्ष्य निर्धारणए बाल संरक्षण तथा श्मेरे सपनों का गांवश जैसे विषयों पर संवाद एवं जागरूकता सत्र भी आयोजित किए गए। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों को जीवन में सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और अपने भविष्य को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित किया गया।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विकासखंड शिक्षा अधिकारी श्री शिवभजन परस्ते ने कहा कि इस प्रकार के शिविर विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकासए आत्मविश्वास वृद्धि तथा उनकी छिपी प्रतिभाओं को निखारने में

महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने छात्र.छात्राओं को निरंतर सीखते रहने और अपने ज्ञान एवं कौशल का समाजहित में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया।विकासखंड स्त्रोत समन्वयक सुवेश दुबे ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण एवं आदर्श ग्राम निर्माण की दिशा में अपनी भूमिका को समझने तथा श्मेरे सपनों का गांवश की अवधारणा को व्यवहार में उतारने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।इस अवसर पर छात्रावास अधीक्षिका श्रीमती छोटी आर्मोए छात्रावास अधीक्षक श्री इंदल यादवए आश्रम शाला के शिक्षक.शिक्षिकाएं तथा सक्षम कार्यक्रम के ब्लॉक प्रबंधक श्री नीरज तिवारी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों ने शिविर के दौरान प्राप्त अनुभवों को साझा करते हुए बताया कि इस आयोजन ने उन्हें नई सीखए आत्मविश्वास और जीवन में आगे बढ़ने की प्रेरणा प्रदान की।

रायभगत युवा परधान समाज को मिला युवा नेतृत्व, दुर्गेश कुमार परस्ते बने जिला अध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी । रायभगत युवा परधान समाज जिला डिंडौरी के संगठनात्मक विस्तार एवं युवा शक्ति को समाज निर्माण में अधिक सक्रिय भूमिका देने के उद्देश्य से आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में ग्राम रहंगी निवासी दुर्गेश कुमार परस्ते को सर्वसम्मति से युवा जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया। उनके मनोनयन की घोषणा होते ही समाज के वरिष्ठजनोंए पदाधिकारियों एवं युवाओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला।बैठक में समाज की एकताए संगठन की मजबूतीए युवाओं की भागीदारीए शिक्षा के प्रसार तथा सामाजिक विकास जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उपस्थित समाजजनों ने कहा कि वर्तमान समय में समाज को ऐसे नेतृत्व की आवश्यकता है जो युवाओं को संगठित कर समाज के विकास की दिशा में आगे बढ़ा सके। इसी विश्वास के साथ दुर्गेश कुमार परस्ते को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कहा कि दुर्गेश परस्ते लंबे समय से सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे हैं। उनकी संगठन क्षमताए व्यवहार कुशलता एवं समाज के प्रति समर्पण को

देखते हुए सर्वसम्मति से उन्हें युवा जिला अध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में युवा वर्ग को एक सशक्त मंच मिलेगा और समाज के शैक्षणिकए सामाजिकए सांस्कृतिक एवं संगठनात्मक विकास को नई गति प्राप्त होगी।

नवनियुक्त युवा जिला अध्यक्ष दुर्गेश कुमार परस्ते ने अपने संबोधन में समाज के वरिष्ठजनोंए पदाधिकारियों एवं युवा साथियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह दायित्व उनके लिए सम्मान के साथ.साथ एक बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि वे समाज की एकता को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए युवाओं को संगठित करनेए शिक्षा को बढ़ावा देनेए सामाजिक जागरूकता फैलाने तथा समाज की सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे सामाजिक कुरीतियों को दूर करनेए शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने तथा समाज के उत्थान के लिए एकजुट होकर कार्य करें। उनका कहना था कि संगठित युवा शक्ति किसी भी समाज की सबसे बड़ी ताकत होती है और युवाओं की सकारात्मक भागीदारी से ही समाज नई ऊंचाइयों तक पहुंच सकता है।

बैठक के दौरान समाज के पदाधिकारियों ने भी इस बात पर जोर दिया कि बदलते समय में युवाओं को नेतृत्व के अवसर देना आवश्यक है। युवा वर्ग समाज की नई सोचए नई ऊर्जा और विकास का आधार है।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, मंगलवार 16 जून 2026

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

17 जून को नगर के मास्टर प्लान के संबंध में बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। प्रदेश शासन के पंचायत एवं ग्रामीण विकास व श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल की अध्यक्षता में 17 जून को दोपहर 12 बजे से कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में नरसिंहपुर नगर के मास्टर प्लान के संबंध में बैठक आयोजित की गई है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने आयोजित बैठक में जनप्रतिनिधियों एवं विभागीय अधिकारियों को उपस्थित रहने को कहा है।

स्वचालित विद्युत आरती मशीन भेंट किया

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नरसिंह मंदिर में अंकित धोरेलिया राम पिता तुलसीराम धोरेलिया ग्राम कुकवारा एवं मोनू जाट पिता जयराम जाट ग्राम कपूरी द्वारा स्वचालित विद्युत आरती मशीन एवं टावर स्पीकर साउंड सिस्टम भेंट किया गया। साथ ही दोनों दानदाता द्वारा महाआरती कराई गई और प्रसादी वितरित की गई। श्री देव नरसिंह मंदिर ट्रस्ट के लकी जाट एवं राजेश विश्वकर्मा ने बताया कि दोनों दानदाताओं द्वारा उक्त उपयोगी सामग्री प्रदान करते हुए भविष्य में भी मंदिर के लिए सहयोग राशि देने का आश्वासन दिया।

नरसिंह साहित्य परिषद् की काव्य गोष्ठी संपन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नरसिंह साहित्य परिषद् की काव्य गोष्ठी वी. ई. पी. स्कूल में डॉ महेश त्रिपाठी की अध्यक्षता में और सी. बी. शर्मा के मुख्यातिथ्य एंव सतीश तिवारी सरस के विशिष्ट आतिथ्य में संपन्न हुई काव्य गोष्ठी की शुरुआत कवि कुंजबिहारी यादव की सरस्वती वंदना से हुई काव्यपाठ के क्रम में युवा कवि विश्वास जाटव ,सत्यम नेमा , प्रताप पटेल ,प्रशांत शर्मा , कीरत पटेल,सूर्यकान्त साहू ,लखन शब्दाक्षरी , सतीश तिवारी सरस , वरिष्ठ कवि सी.बी.शर्मा , डॉ महेश त्रिपाठी द्वारा काव्य पाठ करके गोष्ठी को ऊंचाई प्रदान की।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता के साथ करें

अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण करने वालों पर कार्रवाई की जाए- कलेक्टर

जिला स्तरीय टास्क फोर्स एवं समय सीमा की बैठक सम्पन्न हुई

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में खनिज विभाग की जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा, वन मंडलाधिकारी, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेन्द्र सिंह नागेश, अनुविभागीय राजस्व अधिकारी और परिवहन अधिकारी मौजूद थे।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने बैठक में निर्देश दिए कि वन, राजस्व एवं पुलिस विभाग मिलकर जिले में अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण करने वालों पर संयुक्त रूप से कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि खनिज निरीक्षक अपने-अपने क्षेत्रों का भ्रमण करें और खनिज स्थलों पर निगरानी रखें। यह सुनिश्चित करें कि जिले में अवैध रेत खदानें संचालित न हो, इस पर भी नियंत्रण रखें। उन्होंने कल्याणपुर-चीचली क्षेत्र और नर्मदा नदी में मशीनों से रेत का अवैध उत्खनन व परिवहन करने वालों पर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने निर्देश दिए कि अवैध उत्खनन, परिवहन तथा भंडारण करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई हेतु पुलिस की मदद ली जाए। जिले में रेत का अवैध उत्खनन व परिवहन न हो।

सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण प्राथमिकता से करें

कलेक्टर ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में समय सीमा की बैठक आयोजित कर विभागीय योजनाओं एवं विभागीय कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने निर्देशित किया कि जनकल्याण शिविरों में प्राप्त आवेदनों का सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ निराकरण किया जाये। हितग्राहियों को शासन की योजनाओं से लाभान्वित किया जाये। जनकल्याण शिविरों में विभागीय अधिकारी उपस्थित रहें और विभागीय योजनाओं की जानकारी दें। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बैठक में जनकल्याण शिविरों में प्राप्त आवेदनों की विभागवार समीक्षा की। कलेक्टर ने निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता से करें। विभागीय अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का निराकरण लेवल 1 एवं लेवल 2 पर ही करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों की नियमित रुप से मॉनीटिरिंग की जाये। कोई भी विभाग सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों के निराकरण में डी ग्रेड में नही रहना चाहिए। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने बैठक में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) के संबंध में भी चर्चा की। उन्होंने सभी अधिकारी एवं कर्मचारियों को निर्देशित किया कि समान नागरिक संहिता की बेवसाइट के माध्यम से अपना अभिमत अनिवार्य रुप से दें। कलेक्टर ने आयोजित बैठक में महिला एवं बाल विकास विभाग, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग, ऊर्जा विभाग, श्रम विभाग, खाद्य विभाग, पशुपालन विभाग, जनजाति कार्य विभाग, नगरीय निकाय एवं आवास विभाग, उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के योजनाओं एवं कार्यों की समीक्षा की।

युवा कांग्रेस ने राज्यसभा निर्वाचन अधिकारी का पुतला फूंक कर विरोध प्रदर्शन किया

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का फार्म निरस्त किए जाने को लेकर कांग्रेस लगातार विरोध प्रदर्शन कर रही है और इस घटना को लोकतंत्र की हत्या बताया जा रहा है। इसी क्रम में युवा कांग्रेस ने राज्यसभा निर्वाचन अधिकारी का पुतला फूंक कर नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। वरिष्ठ नेता लखन सिंह पटेल के नेतृत्व में युवा कांग्रेस ने सुभाष पार्क पर नारेबाजी की और कहा कि भाजपा के संरक्षण में निर्वाचन आयोग ने लोकतंत्र की हत्या कर दी। वरिष्ठ नेता लखन सिंह पटेल ने कहा कि चिंता का विषय है कि मोदी जी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी की केंद्र और राज्य सरकार तानाशाह और मनमर्जी से काम कर रहे हैं। संविधान की धज्जियां उड़ाई जा रही हैं लोगों को उलझाकर बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाया जा रहा है आज बेरोजगारी महंगाई से जनता परेशान है, किसान कई समस्याओं से जूझ रहा है और सरकार प्रचार तंत्र के माध्यम से झूठी वाह वाह लूट रही है किंतु कांग्रेस लगातार संविधान की रक्षा के लिए हमेशा संघर्ष करती रहेगी। उक्त मौके पर शैलेंद्र सिंह राजपूत , कंछेदी पटेल धनीराम पटेल, देवेंद्र शुक्ला ,विशाल ठाकुर,नितिन गोयल , राजा ठाकुर ,रफीक भाई नूरानी, विशाल राय ,आशीष राजवैद्य, आनंद चैरसिया , कौशलेंद्र जाट , यासीन मनचला ,बबलू खान तोप सिंह महोबिया, रत्नेश पटेल , अभय राय धर्मेंद्र जाट, कुश बाटली , ,महेंद्र पटेल शुभम पटेल, सौरभ रिछारिया , विष्णु प्रजापति रितेश राय ,विकास पटेल, प्रिंस पटेरिया ,राहुल ,संजय मेहरा ,विनोद पाली , विवेक पटेल ,ईशान राय रोहित पटेल, युवा कांग्रेस विधानसभा अध्यक्ष शुभम पटेल के अलावा बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे।

जनभागीदारी समिति की सामान्य परिषद की बैठक सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर एवं अध्यक्ष जनभागीदारी समिति श्रीमती रजनी सिंह की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर में जनभागीदारी समिति की सामान्य परिषद की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में महाविद्यालय परिसर से बरसात के पानी का भराव की रोकथाम के लिए उपयुक्त व्यवस्था सुनिश्चित करने के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में महाविघ्दालय के खेल मैदान को सुरक्षित और निर्माण कार्य किए जाने पर चर्चा की गई। पुराने जीर्ण-

शीर्ण एवं जर्जर हो चुके भवनों को डिस्मेंटल कर नवीन भवनों का यथा स्थान पर निर्माण किए जाने पर चर्चा हुई। परिसर में पूर्व से निर्मित प्रसाधन कक्षों की साफ-सफाई एवं मरम्मत के कार्यों को स्थानीय निर्माण एजेंसी के ठेकेदारों से करवाने की सहमति दी गई। नवीन पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक व्यवस्था और एईडीपी पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों को आमंत्रित करने के संबंध में चर्चा की गई। जनभागीदारी समिति की सामान्य परिषद् की बैठक में समिति सदस्य के रूप में मनमोहन सलूजा, सुनील कोठारी, धर्मेन्द्र मानसाता, प्राचार्य व सचिव जनभागीदारी समिति डॉ. आर.बी. सिंह, डॉ. गगन कुमार ताम्रकार, मौजूद थे। बैठक के उपरांत कलेक्टर ने महाविद्यालय परिसर का भ्रमण कर महाविद्यालय के सौंदर्यीकरण एवं विद्यार्थियों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

नरसिंह मंदिर प्रांगण में विशेष ऑनलाइन योग सत्र आयोजित

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने रविवार को नरसिंह मंदिर प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 के अवसर पर विशेष ऑनलाइन योग सत्र का आयोजन किया। आयोजित योग सत्र में जिले के अधिकारी और कर्मचारियों सहित आमजन ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य घर-घर योग, हर व्यक्ति निरोगष की भावना को साकार करना तथा नागरिकों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना था। योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की क्रियाओं का अभ्यास कराया गया। उपस्थित प्रतिभागियों ने नियमित योग को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा अन्य लोगों को भी योग के प्रति प्रेरित करने का संकल्प लिया। जिला प्रशासन एवं आयुष विभाग द्वारा नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में आगामी 21 जून को आयोजित होने वाले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के मुख्य कार्यक्रम में सम्मिलित होने की अपील की है।

नाला ठेकेदार द्वारा सड़क पर ही निर्माण सामग्री डंप करने तथा टैंकरों के बेतरतीब खड़े रहने से पहुंच मार्ग अवरुद्ध

करेली न्यूज। प्री मानसून की पहली ही बारिश ने नगर की मानसून की व्यवस्थाओं की पोल खोलकर रख दी। जिसके चलते सर्वाधिक परेशानी हर्रई माता मंदिर मालपानी नगर सुभाष वार्ड में नाला निर्माण कार्य से हुई नाला ठेकेदार द्वारा सड़क पर ही निर्माण सामग्री डंप करने तथा टैंकरों के बेतरतीब खड़े रहने से अस्पताल पहुंच मार्ग रातभर अवरुद्ध कर दिया गया, जिससे आपातकालीन सेवाएं भी बुरी तरह से प्रभावित हुईं।

वैकल्पिक रास्ता बना दलदल

नाला निर्माण के दौरान यातायात बनाने के लिये खेत से होकर बनाया गया कच्चा वैकल्पिक मार्ग बारिश के चलते दलदल में तब्दील हो गया। कीचड़ और फिसलन के कारण कई दोपहिया एवं चारपहिया वाहन उसमें फंस गए। लोग अपने वाहनों को कीचड़ से निकालने के लिए काफी मशक्कत करते नजर आए, वहीं एक फोरव्हीलर वाहन को ट्रैक्टर की सहायता से बाहर निकाला गया।

अवरुद्ध रहा अस्पताल मार्ग

वैकल्पिक मार्ग पूर्ण बन्द होने से रात भर असपताल पहुँच मार्ग बन्द ही रहा एम्बुलेंस 108 जैसे आपातकालीन वाहन भी पीरा अंडरपास करेली बस्ती हाइवे और इमालिया रोड़ अंडरपास के लंबा चक्कर लगा कर अस्पताल पहुँचे मरीजों व स्टाफ भी इस अव्यवस्था से दो चार हुआ महज आधे घँटे की बारिष से असप्ताल पहुँच मार्ग पूरी तरह से बन्द रहा आनन फानन में टैंकर व निर्माण सामग्री को हटाने के बाद दूसरे दिन सुबह रास्ता चालू हुआ।

व्यवस्था पर अव्यवस्था भारी

बारिश पूर्व तैयारियों के नपा के दावों की भी पोल खुल गई। नालियां और नाले पानी से लबालब भर गए, जिससे सड़कों पर गंदगी, कीचड़ और जलभराव की स्थिति बन गई। फिसलन और अव्यवस्था के कारण राहगीरों एवं वाहन चालकों की परेशानियां बढ़ गईं। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से निर्माण कार्यों की निगरानी बढ़ाने तथा बारिश के मौसम में आवागमन की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

भक्तों को आनंद प्रदान करने अवतार लेते हैं भगवान

तेंदूखेड़ा। जब जब धरती पर अधर्म बढता है पापाचार दुराचार बढ़ने लगता है तब धर्म कि विधिवत स्थापना के लिए अपने भक्तों को आनंद प्रदान करने के लिए भगवान अवतार लेते हैं। उक्त उद्गार ग्राम कुसमी सगोरिया में प्रतिष्ठित दुबे परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ में कथा व्यास पं कैलाश शास्त्री ने व्यक्त किए।सृष्टि विषयक व्याख्यान में महाराज मनु के द्वितीय पुत्र प्रियव्रत जी के वंश का वर्णन करते हुए वृत्रासुर का चरित्र प्रहलाद चरित्र सदाचार वर्णाश्रम धर्म नारी धर्म गज ग्राह चरित्र समुद्र मंथन बलि वामन संवाद सूर्यवंश चंद्रवंश का विस्तार से वर्णन करते हुए श्री कृष्ण अवतार की सुंदर कथा सुनाई। भगवान बालकृष्ण की सुन्दर बाल लीलाओं की कथा श्रवण कराई।बड़ी संख्या में श्रद्धालु कथा श्रवण करने पहुंचे। आयोजकों ने सभी धर्मावलंबी जनों से कथा में पधारने का आग्रह किया है।

न्यायिक मजिस्ट्रेट ने सड़क पर उतरकर की वाहनों की चेकिंग हेलमेट और सीट बेल्ट नहीं लगाने वालों के काटे चालान

तेंदूखेड़ा। माननीय प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरसिंहपुर के निर्देशानुसार सड़क सुरक्षा को लेकर प्रशासन लगातार सख्त नजर आ रहा है। इसी कड़ी में बीते दिन तेंदूखेड़ा गाडरवारा मार्ग पर सिविल न्यायालय तेंदूखेड़ा के न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवाकांत कुशवाहा ने खुद सड़क पर उतरकर वाहनों की चेकिंग की।

इस दौरान उन्होंने दोपहिया और चार पहिया और भारी वाहनों को रोककर हेलमेट सीटबेल्ट और तेज गति से बाहन ना चलाने गाड़ी के दस्तावेजों की बारीकी से जांच की।चेकिंग अभियान के दौरान कई वाहन चालक बिना हेलमेट और

सीटबेल्ट के पाए गए। मजिस्ट्रेट श्री कुशवाहा ने उन्हें फटकार लगाते हुए यातायात नियमों का पालन करने की सख्त हिदायत दी। साथ ही मौके पर ही कई वाहन चालकों के चालान भी काटे गए और जुर्माना वसूला गया। इसके अलावा गाड़ियों पर लगी अवैध नंबर प्लेटों की भी जांच की गई और उन पर नियमानुसार कार्रवाई की गई।मजिस्ट्रेट ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए नियमों का पालन करना बेहद जरूरी है। बिना हेलमेट और सीटबेल्ट के गाड़ी चलाना खुद की जान को जोखिम में डालना है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे हमेशा यातायात नियमों का पालन करें और जिम्मेदार नागरिक बनें। पुलिस टीम ने भी इस अभियान में सक्रिय भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इस तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। इस चेकिंग अभियान की स्थानीय लोगों ने भी प्रशंसा की और कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से सड़क सुरक्षा में सुधार होगा।